BSES

मुख्यमंत्री ने ऑल इंडिया पंचायत परिषद को समर्पित किया ***रीप सिस्टम***

अब पानी के लिए वॉटर पाइपलाइन और बिजली की जरूरत नहीं

सूरज भरेगा पानी :

- **बीवाईपीएल व आईआईटी–दिल्ली ने विकसित की अनोखी तकनीक**
- **सौर ऊर्जा से भूजल को आपके टैंक तक पहुंचाएगा *रीप सिस्टम*, पानी की बरबादी भी रोकेगा**
- **यदि पानी पाइपलाइल के माध्यम से आ रहा है, तो भी यह उसे बिना बिजली के ही टैंक में भर देगा**
- **टैंक भरते ही *रीप* काम करना बंद कर देगा, टैंक में पानी का लेवल कम होने पर फिर शुरू करेगा काम**

नई दिल्लीः 20 जनवरी, 2012। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने बीवाईपीएल और आईआईटी दिल्ली द्वारा विकसित रीप तकनीक को, आज मयूर विहार स्थित ऑल इंडिया पंचायत परिषद के नाम समर्पित किया। रीप (रिन्युएबल एनर्जी असिस्टेड पंप) सिस्टम के समर्पण समारोह में मुख्यमंत्री के अलावा, केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री सुबोध कान्त सहाय, दिल्ली के ऊर्जा मंत्री श्री हारून यूसुफ, लोकसभा सांसद श्री संदीप दीक्षित, दिल्ली विधानसभा के डिप्टी स्पीकर श्री अमरीश गौतम, विधायक श्री वीर सिंह धिंगान, प्रिंसिपल सेक्रेटरी पॉवर श्री परिमल राय, बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन और दिल्ली सरकार व बीएसईएस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

रीप तकनीक गर्मियों में दिल्ली में पानी की किल्लत को खत्म कर देगा। यह पानी के लिए, वॉटर पाइपलाइन और बिजली पर लोगों की निर्भरता को भी पूरी तरह समाप्त कर देगा। और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि बिजली पर कोई पैसा खर्च किए बगैर ही लोगों को सालोंसाल निर्बाध जल–आपूर्ति मिलती रहेगी। रीप सिस्टम दिल्ली में बिजली की बेतहाशा बढ़ती मांग पर भी नियंत्रण रखने में कामयाब होगा। किसानों के लिए यह तकनीक खासतौर पर काफी फायदेमंद साबित होगी, क्योंकि सिंचाई के लिए बिजली पर उनकी निर्भरता खत्म हो जाएगी। यही नहीं, एक बार रीप सिसटम में निवेश करने के बाद, बिजली पर कोई पैसा खर्च किए बगैर ही उनके खेतों को निर्बाध रूप से पानी मिलता रहेगा।

आमतौर पर यह माना जाता है कि दो जरूरी संसाधनों– पानी और बिजली के वितरण के लिए, हर घर तक नेटवर्क होना जरूरी है। लेकिन रीप सिस्टम ने इस मिथ को तोड़ दिया है। जिस तरह टेलीकॉम और आईटी सेक्टर केबलों, तारों व नेटवर्क से मुक्ति की राह पर है, उसी तरह, भारत के शहरी व ग्रामीण घरों में भी बिना किसी नेटवर्क के बिजली व पानी उपलब्ध हो सकते हैं। और वह भी स्वच्छ, हरित व पर्यावरण अनुकुल।

रीप सिस्टम, सौर ऊर्जा आधारित एक तकनीक है, लेकिन यह आम सोलर पैनलों की तरह नहीं है। आम सोलर पैनल जहां सौर ऊर्जा से बिजली बनाता है, और उसे किसी बैटरी में स्टोर करता है, वहीं रीप तकनीक में सौर ऊर्जा से न तो बिजली बनती है और न ही उसे किसी बैटरी में स्टोर किया जाता है। यह सूरज की रोशनी से ऊर्जा लेकर उसका इस्तेमाल सीधे जमीन के अंदर से पानी को खीचने में करता है। यदि पानी किसी वॉटर पाइपलाइन के माध्यम से आ रहा है, तो भी यह उसे बिना बिजली की मदद के ही आपके टैंक में भर देगा।

जैसे ही टैंक भरेगा, रीप सिस्टम काम करना बंद कर देगा। फिर टैंक में पानी का लेवल कम होने के बाद, वह दुबारा काम करना शुरू करेगा और आपके टैंक को फिर भर देगा। इस तरह, यह सिस्टम भूजल और पाइपलाइन से आ रहे पानी की बरबादी को भी रोकेगा।

चाहे हाउसिंग सोसायटी हों या होटल, मॉल, अस्पताल, स्कूल या जनसुविधाएं हों, रीप सिस्टम बिना बिजली के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। किसानों के लिए भी यह सिस्टम काफी फायदेमंद होगा और खेतों में सिंचाई के लिए उन्हें अब बिजली का मोहताज नहीं रहना पड़ेगा।

रीप तकनीक को पेश किया है, दिल्ली की बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड और आईआईटी दिल्ली ने। यह दोनों संस्थानों की मेहनत का साझा परिणाम है। बीवाईपीएल और आईआईटी–दिल्ली के बीच जुलाई 2010 में एक समझौता हुआ था। उसी समझौते के तहत इस क्रांतिकारी तकनीक को विकसित किया गया है।

रीप सिस्टम पार्कों आदि में बिजली के करंट संबंधी दुर्घटनाओं को भी रोकने में कामयाब होगा। सिंचाई के लिए वहां बिजली का कनेक्शन लिया जाता है और फिर सही देखरेख न होने की वजह से बच्चे करंट की चपेट में आ जाते हैं। रीप सिस्टम से यदि सिंचाई सुनिश्चित की जाए, तो पार्कों में करंट संबंधी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। दिल्ली में हजारों की संख्या में हाउसिंग सोसायटीज और पार्क हैं, जहां पानी खींचने के लिए शक्तिशाली मोटरें लगी हैं, जो भारी मात्रा में बिजली की खपत करती हैं। आईआईटी और बीवाईपीएल के विशेषज्ञों का कहना है कि यदि दिल्ली के बड़े संस्थानों, हाउसिंग सोसायटीज व पार्कों में रीप सिस्टम लगा दिए जाएं, तो हर साल 10 प्रतिशत की दर से बढ़ रही बिजली की मांग पर नियंत्रण किया जा सकता है।

रीप तकनीक विकसित करने के लिए बीवाईपीएल और आईआईटी–दिल्ली को बधाई देते हुए **मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित** ने कहा– दिल्ली जैसे शहरों के लिए अक्षय ऊर्जा आधारित विकल्पों को खोजना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक ओर जहां इससे बिजली की बचत होगी और प्रदूषण में कमी आएगी, वहीं यह हमारे शहरों को रहने के लिहाज से बेहतर बनाएगा। ऐसी तकनीकें दिल्ली को कार्बन न्यूट्रल शहर बनाने में काफी मददगार साबित होंगी।

बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन ने कहा– रीप शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पहल है, जो कोयला आधारित बिजली पर लोगों की निर्भरता कम करेगा, जिससे संसाधनों की बचत होगी और पर्यावरण भी बेहतर बनेगा। रीप, 90 मीटर की ऊंचाई तक पानी पहुंचा सकता है, और यह छह–सात घंटों में 30 हजार लीटर से अधिक पानी आपके टैंक में भरने में सक्षम है।

श्री रमेश नारायणन के मुताबिक– यह सभी जानते हैं कि हमारे किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की जरूरत है। लेकिन, दूर–दराज के इलाकों में बिजली पहुंचाने के क्रम में भारी घाटे का सामना करना पड़ता है। सिर्फ इस क्रम में ही देश में उत्पादित कुल बिजली का 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा बरबाद हो जाता है। बिजली के ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन में इस तरह का घाटा काफी भारी पड़ रहा है, और यह भारत की अर्थव्यवस्था व पर्यावरण दोनों के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। कृषि सेक्टर की उत्पादकता बढ़ाने के लिए, रीप जैसे ऑफ ग्रिड सिस्टम एक वैकल्पिक, विश्वसनीय और वैज्ञानिक समाधान मुहैया कराते हैं। यह एक ऐसा सिस्टम है, जो किसानों के दरवाजे पर ऊर्जा का उत्पादन सुनिश्चित करेगा ताकि कम खर्च में काफी लंबे समय तक उनकी सिंचाई संबंधी जरूरतें पूरी हो सकें। साथ ही, उन्हें ग्रिड की बिजली से आजादी भी मिल सके।

रीप सिस्टम लगवाने में बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड की अनुभवी व प्रशिक्षित टीम उपभोक्ताओं की सहायता कर सकती है। बीवाईपीएल आईआरईडीए के साथ बात कर रही है, ताकि रीप सिस्टम के लिए सब्सिडी और लोन की व्यवस्था भी हो सके।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415 / 9350130304